

## एयर स्ट्राइक

- पुलवामा हमले के 12 दिनों के बाद भारतीय एयर फोर्स द्वारा मसूद अजहर के संगठन जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित चरमपंथी ठिकानों पर बम बरसाए गए।
- 26 फरवरी सुबह 3:30 मिनट पर IAF ने LOC के 80 किलोमीटर अंदर जाकर एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया, यह जैश-ए-मोहम्मद संगठन के मुख्यालय और विभिन्न ट्रेनिंग कैंप में रह रहे आतंकवादी, सुसाइड बाम्बर और ट्रेनर सहित 300 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।
- यह एयर स्ट्राइक बालाकोट, मुजफ्फराबाद और जकोटी, क्षेत्र में किए गए। इसमें IAF ने अपने मिराज -2000 लड़ाकू विमानों का प्रयोग कर 1000 पाउण्ड के 5 बम गिराए इस हमले में जैश के सरगना मसूद अजहर का रिश्ते में साला यूसूफ अजहर भी मारा गया। मसूद अजहर को छुड़ाने के लिए किए गए कान्धार प्लेन हाइजैक काण्ड में यूसूफ अजहर भी शामिल था।
- पुलवामा हमले के बाद आतंकवादियों को उनकी पनाहगाह और छुपे स्थानों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद भारत के आतंकरोधी अभियान' के तहत यह सर्जिकल स्ट्राइक 2.0 की गई। इसकी मंजूरी सरकार के तरफ से 15 फरवरी को ही दे दी गई थी।
- इस एयर स्ट्राइक को अंजाम देने के लिए भारतीय एयर फोर्स ने अपने 7 महत्वपूर्ण इक्विपमेंट्स का प्रयोग किया जिसमें 12 मिराज-2000 लड़ाकू विमान ग्वालियर से GBU-12 (PAVEWY-II) लेजर गाइडेड बॉम्ब, मत्रा (R-530) मैजिक क्लोज काम्बैट मिसाइल, लाईटनिंग पोज, एयर वार्न कंट्रोल सिस्टम (नेत्र), इल्यूसन जेट (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए लड़ाकू विमान) और हेरोन ड्रोन का इस्तेमाल किया।
- यह पिछले 50 दशक में पहला क्रॉस बार्डर एयर स्ट्राइक अभियान था इसके पहले 1971 के युद्ध में बांग्लादेश-पाक युद्ध में एयर स्ट्राइक किया गया था। संभवतः युद्ध न होने की स्थिति में यह आजाद भारत का पहला क्रॉस बार्ड एयर स्ट्राइक था।
- यह एयर स्ट्राइक तकरीबन 21 मिनट तक चली थी। IAF के सभी विमान और पायलट सफलतापूर्वक और सुरक्षित वापस लौट आए।
- रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार पहले पाकिस्तान के राडारों को जाम कर दिया गया और पाकिस्तान के एयर डिफेंस को धता बताते हुए इस स्ट्राइक को अंजाम दिया गया। पाकिस्तान की एयर फोर्स ने भारत के विशाल बेड़े को देखकर और पूर्व तैयारी न होने के कारण कोई प्रतिक्रिया नहीं की। इस स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान पक्ष द्वारा भी स्वीकार्यता दिखाई गई है, प्रथम सर्जिकल स्ट्राइक कि सत्यता को पाकिस्तान द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था।

### मिराज-2000

- वर्ष 1984 में फ्रांस सरकार के साथ 49 मिराज-2000 खरीदने का सौदा किया था। कई खूबियों और अद्भुत मारक क्षमता वाले ये लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना की रीढ़ माने जाते हैं।
- मिराज-2000 पारम्परिक और परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है। यह अपने अपग्रेडेशन के बाद 2040 तक IAF का हिस्सा रहेंगे। मिराज-2000 का वजन 7,500 किग्रा है और हथियारों से लैस होने पर यह 17000 किग्रा तक हो जाता है।
- एकल इंजन होने के चलते अन्य जेट विमानों की तुलना में काफी हल्के होते हैं।

- हथियारों को ले जाने के लिए नौ हार्डपॉइंट दिए गए हैं। इसमें पांच प्लेन के नीचे और दो दोनों तरफ के पंखों पर होते हैं।
- इसकी लंबाई 14.36 मीटर और पंखों को मिलाकर कुल चौड़ाई 9.13 मीटर है।
- इसकी अधिकतम स्पीड 2,495 किमी. प्रति घंटा है।
- मिराज-2000 विमान बेहद छोटे रनवे पर भी उड़ान भर सकता है।
- यह जमीन पर भी एक साथ दो अलग-अलग लक्ष्यों पर प्रहार करने में सक्षम है।
- हवा से हवा में मार करने वाले हथियारों में एमआइसीए मल्टीगेट एयर-टू-एयर इंटरसेप्ट और कॉम्बैट मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा भी यह कई प्रकार के हथियार ले जाने और 2.2 मैक की रफ्तार के साथ अधिक ऊँचाई पर भी उड़ने में सक्षम है।
- मिराज 2000 ड्रॉप टैंक के साथ 1550 किमी. की यात्रा कर सकता है तथा यह 17 किमी. ऊँचाई तक जा सकता है।
- मिराज 2000 में एक फ्लाय-बाय-वायर फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम है जो उड़ान नियंत्रण, नेविगेशन, लक्ष्य की पहुंच और हथियार की पोजीशन, फायरिंग से संबंधित डेटा प्रदर्शित करता है।
- यह लेजर निर्देशित बम, हवा से हवा और हवा से सतह पर मारक क्षमता वाली मिसाइल ले जा सकता है तथा इसमें कई लक्ष्यों पर एक साथ हमला करने के लिए राडार डॉप्लर मल्टी-टारगेट बोर्ड की भी सुविधा है।

### स्ट्राइक के बाद की स्थिति

- एयर स्ट्राइक अभियान के बाद चीन दौरे पर गये भारत की विदेश मंत्री ने कहा कि उनका मकसद आतंकवाद के खिलाफ अभियान के तहत जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को खत्म करना था। उनका कहना था, “ भारत के लिए चरमपंथ से लड़ना सबसे अहम मुद्दा है। पुलवामा में सीआरपीएफ पर हुए हमले में हमारे 40 जवानों की मौत हुई थी। ये हमला हमें बताता है कि हमें चरमपंथ के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए”।
- “ भारत ने किसी सैन्य ठिकाने पर हमला नहीं किया और किसी रिहाईशी ठिकाने पर भी हमला नहीं किया।”

### विश्व समुदाय की प्रतिक्रिया

#### अमेरिका-

- अमेरिका का कहना है कि दोनों देशों को आक्रामक कदम उठाने से बचना चाहिए।
- भारत के साथ हमारे करीबी सुरक्षा संबंध हैं। हम इलाके की सुरक्षा चाहते हैं और शांति बनाए रखना चाहते हैं”।
- पाकिस्तान अपनी सरजमीन से काम करने वाले चरमपंथी संगठनों के खिलाफ कारगर कदम उठाए”।

#### ऑस्ट्रेलिया-

- ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने भारत का समर्थन करते हुए कहा है कि पुलवामा में हुए चरमपंथी हमले के विरोध में भारत ने पाकिस्तान में मौजूद चरमपंथी ठिकानों पर हमले किए हैं।
- ऑस्ट्रेलिया ने कहा, “पाकिस्तान को जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के खिलाफ हरसंभव कदम उठाने चाहिए। साथ ही पाकिस्तान को चाहिए कि वो चरमपंथी संगठनों को कानूनी शह देना बंद करे और उन्हें अपनी जमीन का इस्तेमाल करने न दे”।

#### चीन-

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही दक्षिण एशिया के दो अहम देश हैं और दोनों को आपसी संबंध बेहतर करने पर जोर देना चाहिए।

“चरमपंथ एक वैश्विक समस्या है और इससे निपटने के लिए देशों को एक दूसरे के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है”।

#### **फ्रांस -**

फ्रांस के विदेश मंत्रालय भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए कहा कि सीमा पार से होने वाले चरमपंथ से लड़ने में भारत के अधिकार को हम मानते हैं और इस मौके पर भारत के साथ हैं।

हालांकि फ्रांस ने ये भी कहा कि दोनों के बीच के तनाव में सेना का इस्तेमाल ना हो तो ही अच्छा होगा।

#### **यूरोपीय यूनियन-**

यूरोपीय यूनियन के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री से बात की और दोनों देशों के बीच तनाव कम करने पर बात की।

उनका कहना था कि “चरमपंथ के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है और संयुक्त राष्ट्र की सूची में मौजूद चरमपंथी संगठनों समेत हमलों की जिम्मेदारी लेने वालों पर भी कार्रवाई करने की जरूरत है।”

#### **ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन- ( इस्लामिक सहयोग संगठन )**

ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन ने पाकिस्तान की सीमा के उल्लंघन के लिए भारत की आलोचना की है और कहा कि दोनों को शांतिपूर्ण हल के बारे में सोचना चाहिए।

#### **संयुक्त राष्ट्र संघ-**

संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भारत और पाकिस्तान के बीच संयम बरतने की अपील की है।

#### **आगे की राह-**

- फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पेरिस सम्मेलन में पाकिस्तान को ग्रे सूची में बरकरार रखा है भारत की निरंतर कोशिश होनी चाहिए की पाकिस्तान को काली सूची में डाला जाये जिससे विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय मदद को रोका जा सके।
- भारत सरकार को चाहिए कि पाकिस्तान पर सामरिक, आर्थिक और वैश्विक मोर्चे पर दबाव बनाये जिससे आतंकवाद को शह देने की उसकी नीति पर विराम लगे।
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगे विकल्प रखा जाये कि अगर वे भारत में कारोबार करना चाहती हैं तो पाकिस्तान से कारोबारी संबंध न रखें।
- भारत निजी व कूटनीतिक संबंधों का लाभ उठाते हुए खाड़ी देशों से पाकिस्तान को मिलने वाली वित्तीय मदद को रोकने की कोशिश करें।
- भारत द्वारा सैन्य विकल्पों का इस्तेमाल करते हुए आतंकी ठिकानों और प्रशिक्षण शिविरों के लिए मिसाइल और ड्रोन हमलों के बारे में सोचा जा सकता है।
- सर्जिकल स्ट्राइक भी एक विकल्प है लेकिन कार्रवाई करके निकलने के बजाय सुरक्षा बल उस हिस्से पर कब्जा भी कर सकते हैं।

- सिंधु जल समझौते को खत्म करने पर विचार किया जाना चाहिए।
- पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों पर बांध बनाकर पानी को सामरिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- सरकार को जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में धारा 370 की भी समीक्षा करनी चाहिए।
- सुरक्षा बलों के लिए एक सामान्य संचालन संहिता तैयार की जानी चाहिए कि विशेष हालात में वे स्वतः कोई निर्णय कर सकें।
- अपेक्षित परिणामों के लिए भारत को व्यवहारिक नीति बनानी होगी।

### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. फ्रांस की दासो कंपनी ने मिराज 2000 का निर्माण किया है यही कंपनी राफेल लड़ाकू विमानों का निर्माण भी करती है।
2. भारतीय वायुसेना में मिराज 2000 की उपलब्धता यानी तत्काल उड़ान भरने की सुलभता 80% तक है वहीं SU-30 MKI विमानों की उपलब्धता दर 60% है।
3. एयर स्ट्राइक मिशन के लिए मिराज लड़ाकू विमान के 'टाइगर्स' और 'बैटल एक्सेस' स्क्वाड्रन का इस्तेमाल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

### मुख्य परीक्षा प्रश्न

- प्र. क्रॉस बॉर्डर हवाई अभियान भारत के बढ़ते सामरिक ताकत को परिलक्षित करता है इस सैन्य कार्यवाही के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के घटती तैनाती और अफगानिस्तान के स्थिरता में भारत के महत्व को कितना प्रासंगिक करता है? चर्चा करें।